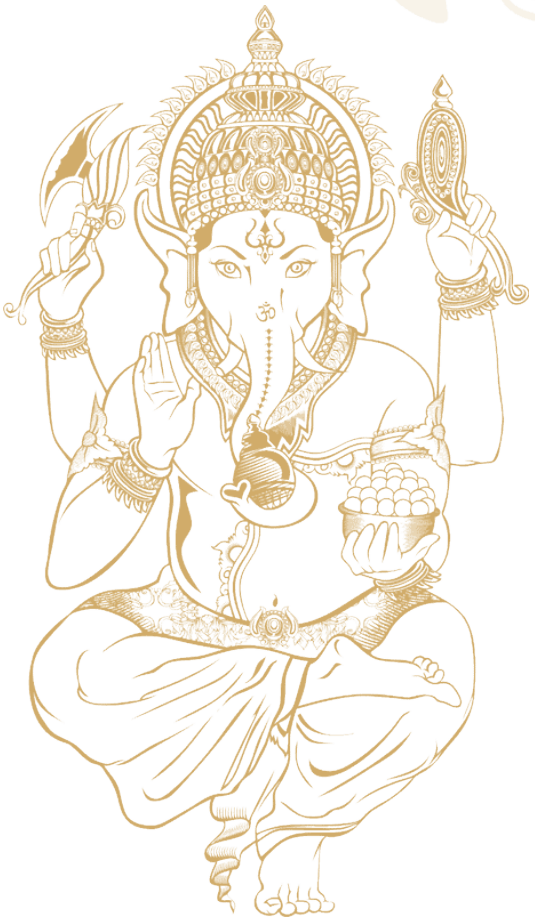

10 Jan 2026

09:20 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120961703

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/01/2026**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**21:20:00 घंटे**
इष्ट	35:11:14 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:58:52 घंटे
वेलान्तर	-00:07:26 घंटे
साम्पातिक काल	04:19:36 घंटे
सूर्योदय	07:15:30 घंटे
सूर्यास्त	17:42:03 घंटे
दिनमान	10:26:33 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	26:11:18 धनु
लग्न के अंश	13:44:40 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सुकर्मा
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पे-पेशवा
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	13:44:40	314:38:25	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	---
सूर्य			धनु	26:11:18	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	26:12:11	12:07:03	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	गुरु	मित्र राशि
मंगल		अ	धनु	25:53:57	00:46:21	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	मित्र राशि
बुध		अ	धनु	19:27:01	01:35:12	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	25:50:44	00:08:06	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	27:08:13	01:15:28	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	सम राशि
शनि			मीन	02:34:41	00:04:21	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु			कुंभ	16:06:25	00:00:02	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु			सिंह	16:06:25	00:00:02	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:29:39	00:01:14	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:25:47	00:01:03	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	08:47:38	00:01:53	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	12:31:14	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:20

लग्न-चलित

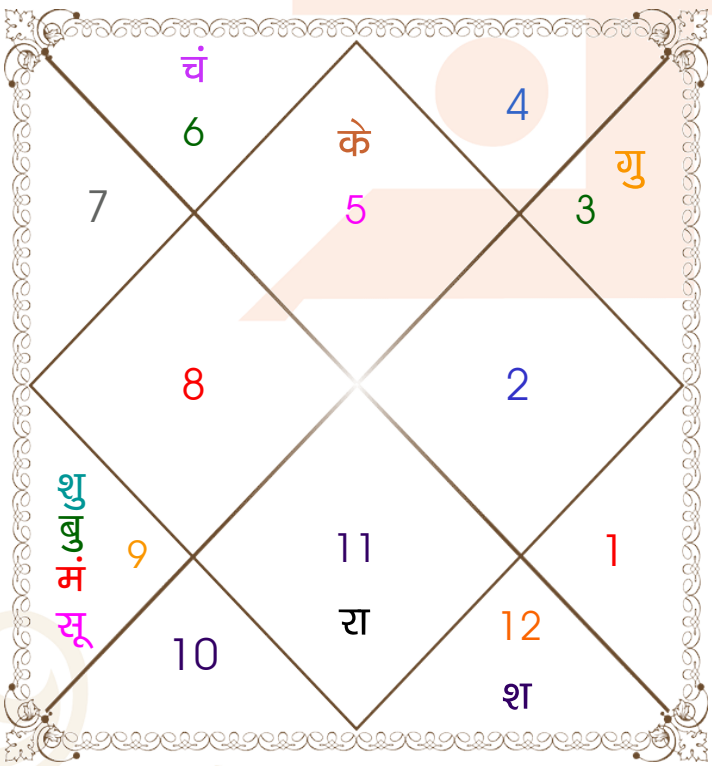

चन्द्र कुंडली

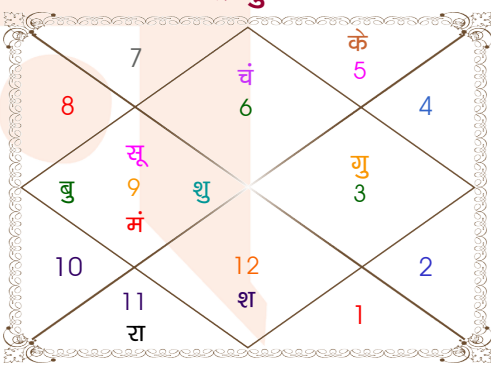

नवमांश कुंडली

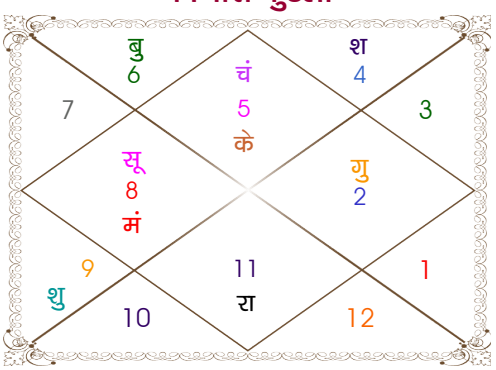

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 5 वर्ष 5 मास 28 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
10/01/2026		10/07/2031		09/07/2049		09/07/2065		09/07/2084	
10/07/2031		09/07/2049		09/07/2065		09/07/2084		10/07/2101	
	00/00/0000	राहु	22/03/2034	गुरु	28/08/2051	शनि	12/07/2068	बुध	06/12/2086
	10/01/2026	गुरु	15/08/2036	शनि	10/03/2054	बुध	22/03/2071	केतु	03/12/2087
गुरु	30/11/2026	शनि	22/06/2039	बुध	15/06/2056	केतु	30/04/2072	शुक्र	03/10/2090
शनि	08/01/2028	बुध	08/01/2042	केतु	22/05/2057	शुक्र	01/07/2075	सूर्य	09/08/2091
बुध	05/01/2029	केतु	26/01/2043	शुक्र	21/01/2060	सूर्य	12/06/2076	चंद्र	08/01/2093
केतु	03/06/2029	शुक्र	26/01/2046	सूर्य	08/11/2060	चंद्र	11/01/2078	मंगल	05/01/2094
शुक्र	03/08/2030	सूर्य	21/12/2046	चंद्र	10/03/2062	मंगल	20/02/2079	राहु	24/07/2096
सूर्य	09/12/2030	चंद्र	21/06/2048	मंगल	14/02/2063	राहु	27/12/2081	गुरु	30/10/2098
चंद्र	10/07/2031	मंगल	09/07/2049	राहु	09/07/2065	गुरु	09/07/2084	शनि	10/07/2101

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
10/07/2101		10/07/2108		10/07/2128		11/07/2134		10/07/2144	
10/07/2108		10/07/2128		11/07/2134		10/07/2144		00/00/0000	
केतु	06/12/2101	शुक्र	10/11/2111	सूर्य	28/10/2128	चंद्र	11/05/2135	मंगल	06/12/2144
शुक्र	06/02/2103	सूर्य	09/11/2112	चंद्र	28/04/2129	मंगल	10/12/2135	राहु	25/12/2145
सूर्य	13/06/2103	चंद्र	11/07/2114	मंगल	03/09/2129	राहु	10/06/2137	गुरु	11/01/2146
चंद्र	13/01/2104	मंगल	10/09/2115	राहु	29/07/2130	गुरु	10/10/2138		00/00/0000
मंगल	10/06/2104	राहु	09/09/2118	गुरु	17/05/2131	शनि	10/05/2140		00/00/0000
राहु	28/06/2105	गुरु	10/05/2121	शनि	28/04/2132	बुध	10/10/2141		00/00/0000
गुरु	04/06/2106	शनि	10/07/2124	बुध	04/03/2133	केतु	11/05/2142		00/00/0000
शनि	14/07/2107	बुध	11/05/2127	केतु	10/07/2133	शुक्र	09/01/2144		00/00/0000
बुध	10/07/2108	केतु	10/07/2128	शुक्र	11/07/2134	सूर्य	10/07/2144		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 5 वर्ष 6 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। सिंह लग्नोदय काल ही सिंह राशि का नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। आपका जन्म प्रभाव यह प्रमाणित कर रहा है कि आपका जीवन सर्वोत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। ऐसा तो आपके जीवन का 28 वें वर्ष से आपका समय अच्छे होने लग जाएंगे। आयु के 28 वें वर्ष से 32 वें वर्ष की आयु तक का समय बहुत ही उत्तम एवं अनुकूल होगा।

आपके जीवन का बृहत्तर भाग मखमली अर्थात् ''पांचों उंगुली घी में'' जैसा लाभजनक रहेगा। इस समय आपके जीवन के सभी आवश्यक पक्ष संतोषजनक रहेगा। आपके लिए सौभाग्य प्रदान करने वाला ऐसा समय हस्तगत होगा कि आप मिट्टी छूओ तो सोना बन जाएगा और आप जिस कार्य को हस्तगत कर लोगे उसी में सफल हो जाओगे।

आप इस बात को अच्छी प्रकार जानते है कि लोगों के साथ धन संपत्ति का लेन-देन अर्थात् आदान प्रदान कैसे करेंगे। आपमें यह सामार्थ्य निहित है कि लोगों को अपने पक्ष में लेकर, दूसरों पर किस प्रकार प्रशासन करेंगे। आप किस प्रकार लोगों से सहयोग प्राप्त कर प्रचूर मात्रा में लाभान्वित होंगे तथा आपका कार्य व्यवधान रहित होकर प्रगति करेगा। जब आप किसी को वस्तु उधार दे देते हैं और कोइ समस्या उत्पन्न हो जाती है। आप धैर्यपूर्वक संपर्क स्थापित कर समस्या का समाधान कर उस धन या वस्तु को प्राप्त कर लेते हैं।

आप में एक अन्य प्रकार की भव्य क्षमता विद्यमान है। वह यह है कि आप यह जानते हैं कि आप अपने से उच्च अधिकारी को किस प्रकार प्रभावित करेंगे तथा सर्वोच्च अधिकारी से संपर्क अर्थात् सानिध्यता प्राप्त कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप आप लाभप्रद, अधिकारपूर्ण पद प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेंगे। यथा कंपनी का प्रबंधक, अथवा किसी भी निगम और परिषद का निर्देशक पद आदि। आप निश्चित समय पर ऐसी युक्ति पूर्ण चाल को अच्छी प्रकार अपने अधिकारी के पास प्रस्तुत कर देंगे। ताकि आप की चाल सफल हो जाती है। आप में एक अच्छे नेता के गुण विद्यमान है।

आप अनेक कलाओं के ज्ञाता एवं सक्षम हैं। आप किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेने में तथा किसी भी विरोधात्मक परिस्थिति को पार कर लेने में सक्षम है तथा विरोधियों को परास्त कर सकते हैं। आप अपने किसी भी शत्रुओं के साथ संघर्ष करके विजय श्री प्राप्त करेंगे।

आपके प्रभावशाली उपस्थिति हाव-भाव तथा आकर्षण विपरीत योनि के प्राणी के साथ रहेगा। जिस प्रकार चुंबक अपने आकर्षण शक्ति का प्रभाव लौह पर दिखाता है। उसी प्रकार आपके आकर्षण से स्त्रियाँ वशीभूत हो जाया करेंगी। आपकी इस प्रकार की प्रवृति से आपका समय आनंददायक प्रतीत होता है। परंतु इस प्रकार की प्रवृत्ति तथा कार्य कलाप से आपका पारिवारिक जीवन बाधित हो सकता है। आपके पास प्रिय पत्नी बच्चे एवं आनंददायक भवन का सुख उपलब्ध हो सकता है। अस्तु निरंतर इस पथ पर नहीं चलें। आपके साथ ऐसी समस्या जुडी है कि आप पूर्णरूपेण विश्राम नहीं कर पातें । उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सतर्क रहना

चाहिए। आप सदैव अनेक प्रकार के कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए एक साथ प्रस्थान करते हैं। आपके द्वारा घोर परिश्रम किए जाने से स्नायुविक शक्तियां बुरी तरह पूर्ण रूपेण प्रभावित हो रही हैं। इस प्रकार कुछ समय वर्षों के पश्चात् आपको हृदय से संबंधित समस्याएं, गांठ-गांठ में तथा रीढ़ की हड्डियों में दर्द, रक्तचाप रोगादि से कष्ट समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु विश्राम भी ग्रहण किया करें।

आपको सदैव अपनी एवं अपने परिवार की प्रतिष्ठा के प्रति सतर्क रहते हैं। चाहे कुछ भी हो जाए आप इस बात के लिए किसी भी परिस्थिति में कोई भी समझौता करने को तैयार नहीं हो सकते हैं।

आपके लिए उपयुक्त कार्यव्यवसायों में राजकीय केंद्रीय सरकार की सेवा के अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, होटल उद्योग अथवा फोटोग्राफी व्यवसाय आदि अनुकूल है।

आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग अनुकूल है। परंतु नीला, सफेद एवं काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक भाग्यशाली अंक है, परंतु आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।